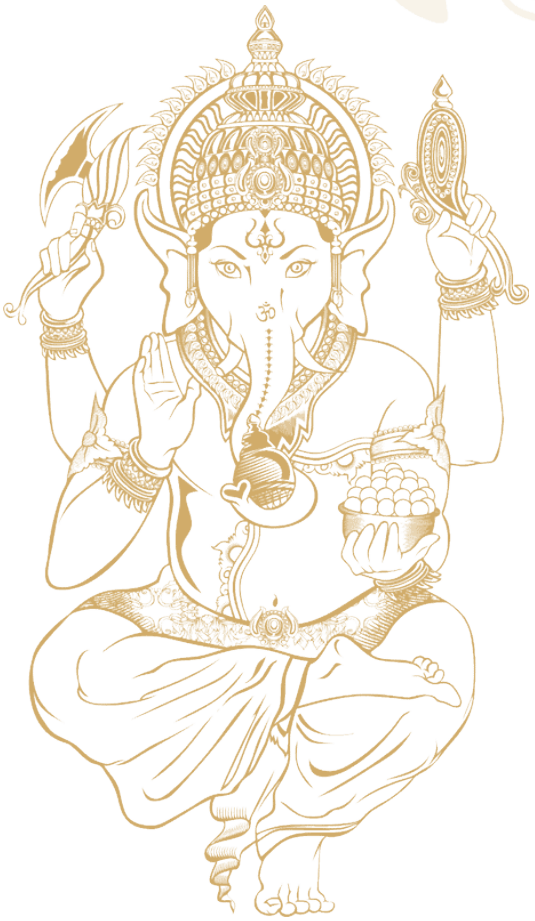

Mr. Anjali

27 Dec 2025

06:10 PM

Bikaner

Model: web-freekundliweb

Order No: 120737802

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**27/12/2025**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**18:10:00 घंटे**
इष्ट	26:48:26 घटी
स्थान	**Bikaner**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:01:00 उत्तर
रेखांश	73:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:33:28 घंटे
वेलान्तर	-00:01:04 घंटे
साम्पातिक काल	23:58:29 घंटे
सूर्योदय	07:26:37 घंटे
सूर्यास्त	17:48:56 घंटे
दिनमान	10:22:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	11:47:26 धनु
लग्न के अंश	17:23:42 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वरियान
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	थ-थाकोरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:23:42	317:09:27	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			धनु	11:47:26	01:01:08	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मीन	08:23:25	13:32:20	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	धनु	15:02:46	00:45:48	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	27:40:09	01:29:52	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	27:42:35	00:07:32	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	09:21:26	01:15:31	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
शनि			मीन	01:42:03	00:03:04	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	17:02:22	00:00:25	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	17:02:22	00:00:25	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:51:26	00:01:49	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:14:07	00:00:36	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:21:51	00:01:45	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	05:21:54	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:18

लग्न-चलित

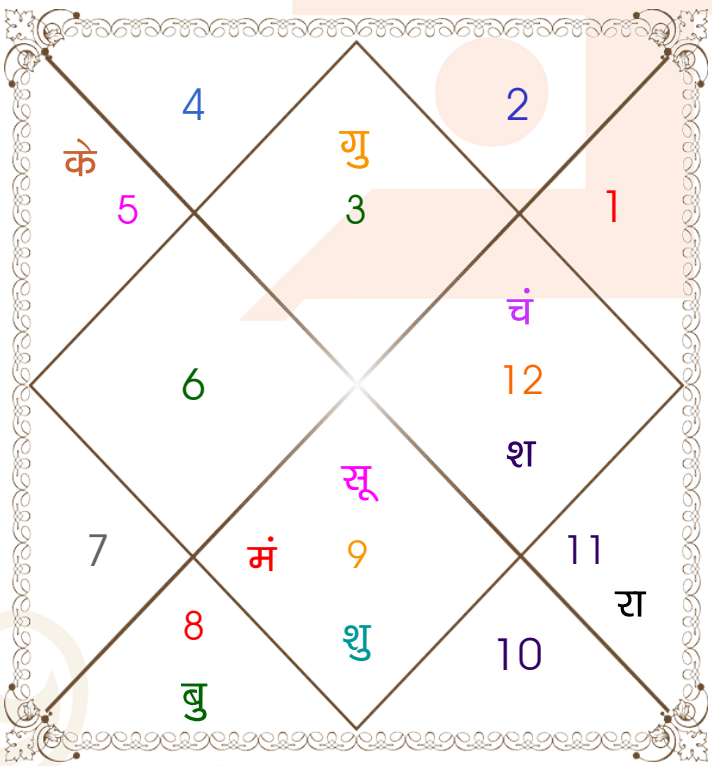

चन्द्र कुंडली

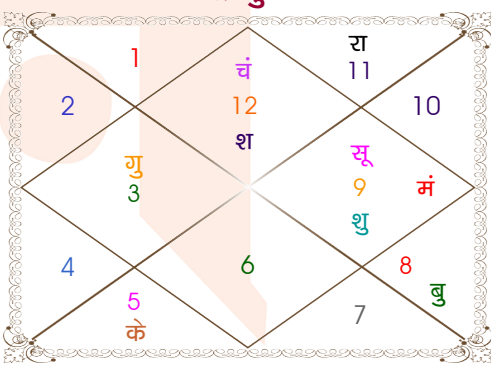

नवमांश कुंडली

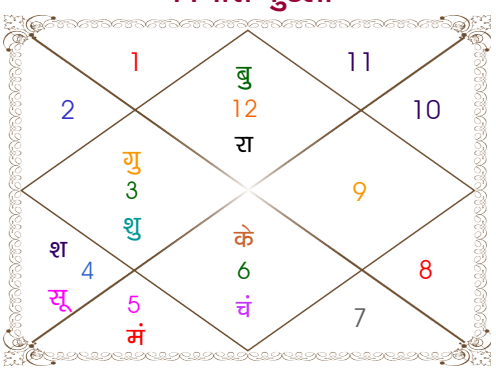

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 11 वर्ष 9 मास 15 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
27/12/2025		13/10/2037		13/10/2054		13/10/2061		13/10/2081	
13/10/2037		13/10/2054		13/10/2061		13/10/2081		13/10/2087	
	00/00/0000	बुध	11/03/2040	केतु	11/03/2055	शुक्र	11/02/2065	सूर्य	31/01/2082
	00/00/0000	केतु	08/03/2041	शुक्र	10/05/2056	सूर्य	12/02/2066	चंद्र	01/08/2082
	27/12/2025	शुक्र	07/01/2044	सूर्य	15/09/2056	चंद्र	13/10/2067	मंगल	07/12/2082
शुक्र	04/10/2028	सूर्य	12/11/2044	चंद्र	16/04/2057	मंगल	13/12/2068	राहु	01/11/2083
सूर्य	16/09/2029	चंद्र	14/04/2046	मंगल	13/09/2057	राहु	13/12/2071	गुरु	19/08/2084
चंद्र	17/04/2031	मंगल	11/04/2047	राहु	01/10/2058	गुरु	13/08/2074	शनि	01/08/2085
मंगल	26/05/2032	राहु	28/10/2049	गुरु	07/09/2059	शनि	13/10/2077	बुध	07/06/2086
राहु	02/04/2035	गुरु	03/02/2052	शनि	16/10/2060	बुध	13/08/2080	केतु	13/10/2086
गुरु	13/10/2037	शनि	13/10/2054	बुध	13/10/2061	केतु	13/10/2081	शुक्र	13/10/2087

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
13/10/2087		13/10/2097		14/10/2104		14/10/2122		14/10/2138	
13/10/2097		14/10/2104		14/10/2122		14/10/2138		00/00/0000	
चंद्र	13/08/2088	मंगल	11/03/2098	राहु	27/06/2107	गुरु	01/12/2124	शनि	17/10/2141
मंगल	14/03/2089	राहु	30/03/2099	गुरु	19/11/2109	शनि	15/06/2127	बुध	26/06/2144
राहु	13/09/2090	गुरु	05/03/2100	शनि	25/09/2112	बुध	20/09/2129	केतु	05/08/2145
गुरु	13/01/2092	शनि	14/04/2101	बुध	15/04/2115	केतु	26/08/2130	शुक्र	28/12/2145
शनि	13/08/2093	बुध	12/04/2102	केतु	02/05/2116	शुक्र	26/04/2133		00/00/0000
बुध	13/01/2095	केतु	08/09/2102	शुक्र	03/05/2119	सूर्य	13/02/2134		00/00/0000
केतु	14/08/2095	शुक्र	08/11/2103	सूर्य	27/03/2120	चंद्र	15/06/2135		00/00/0000
शुक्र	13/04/2097	सूर्य	15/03/2104	चंद्र	26/09/2121	मंगल	21/05/2136		00/00/0000
सूर्य	13/10/2097	चंद्र	14/10/2104	मंगल	14/10/2122	राहु	14/10/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 11 वर्ष 8 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।